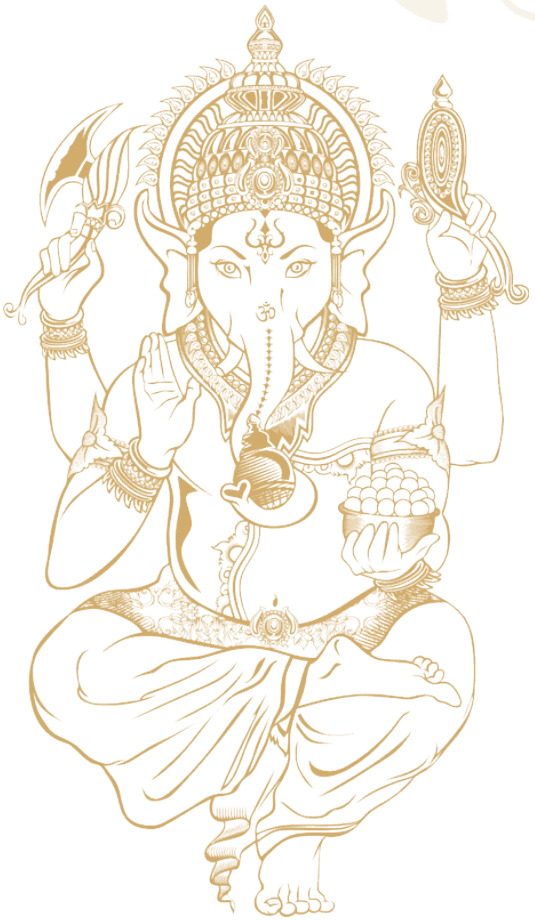

04 Nov 2002

03:15 AM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121144111

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**3-04/11/2002**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**03:15:00 घंटे**
इष्ट	51:43:38 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:57:12 घंटे
वेलान्तर	00:16:28 घंटे
साम्पातिक काल	05:49:06 घंटे
सूर्योदय	06:33:32 घंटे
सूर्यास्त	17:29:01 घंटे
दिनमान	10:55:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	17:24:17 तुला
लग्न के अंश	03:44:13 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	प्रीति
करण	शकुनि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:44:13	313:50:30	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			तुला	17:24:17	01:00:08	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			तुला	03:56:45	15:10:49	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	18:21:10	00:38:23	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	तुला	11:01:20	01:39:14	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु			कर्क	22:44:09	00:05:36	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र	व	अ	तुला	11:57:03	00:35:13	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि	व		मिथु	04:41:48	00:02:30	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	14:59:05	00:03:34	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	14:59:05	00:03:34	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	01:00:59	00:00:01	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:21:41	00:00:29	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:14:52	00:01:58	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	03:36:21	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:31

लग्न-चलित

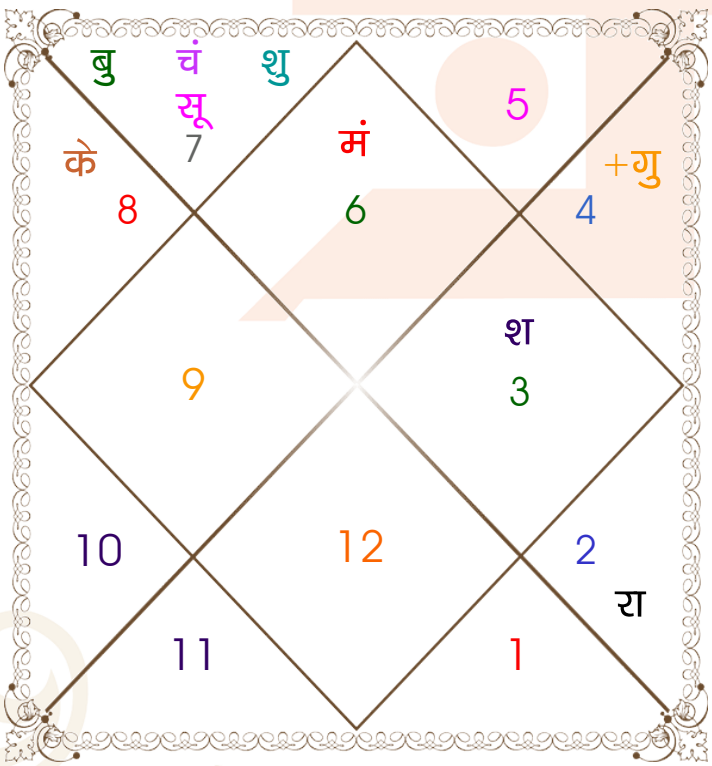

चन्द्र कुंडली

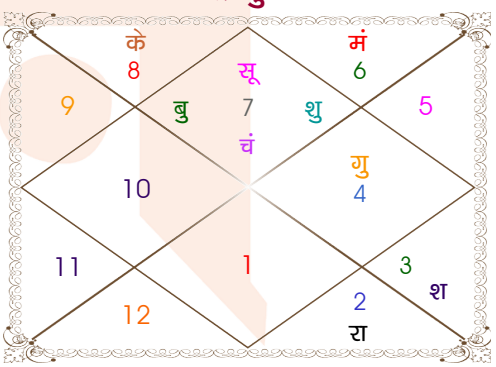

नवमांश कुंडली

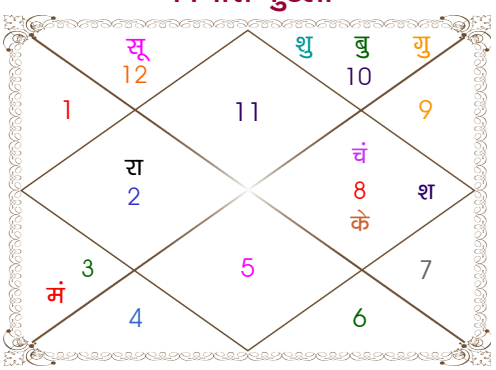

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 5 मास 4 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/11/2002		08/04/2004		09/04/2022		09/04/2038		09/04/2057	
08/04/2004		09/04/2022		09/04/2038		09/04/2057		09/04/2074	
	00/00/0000	राहु	21/12/2006	गुरु	27/05/2024	शनि	12/04/2041	बुध	05/09/2059
	00/00/0000	गुरु	15/05/2009	शनि	08/12/2026	बुध	21/12/2043	केतु	01/09/2060
	00/00/0000	शनि	21/03/2012	बुध	15/03/2029	केतु	29/01/2045	शुक्र	03/07/2063
	00/00/0000	बुध	09/10/2014	केतु	19/02/2030	शुक्र	30/03/2048	सूर्य	09/05/2064
	00/00/0000	केतु	27/10/2015	शुक्र	20/10/2032	सूर्य	12/03/2049	चंद्र	08/10/2065
	04/11/2002	शुक्र	27/10/2018	सूर्य	08/08/2033	चंद्र	12/10/2050	मंगल	05/10/2066
शुक्र	03/05/2003	सूर्य	21/09/2019	चंद्र	08/12/2034	मंगल	20/11/2051	राहु	24/04/2069
सूर्य	08/09/2003	चंद्र	21/03/2021	मंगल	14/11/2035	राहु	26/09/2054	गुरु	31/07/2071
चंद्र	08/04/2004	मंगल	09/04/2022	राहु	09/04/2038	गुरु	09/04/2057	शनि	09/04/2074

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
09/04/2074		09/04/2081		10/04/2101		10/04/2107		10/04/2117	
09/04/2081		10/04/2101		10/04/2107		10/04/2117		00/00/0000	
केतु	05/09/2074	शुक्र	08/08/2084	सूर्य	28/07/2101	चंद्र	09/02/2108	मंगल	06/09/2117
शुक्र	05/11/2075	सूर्य	08/08/2085	चंद्र	27/01/2102	मंगल	09/09/2108	राहु	24/09/2118
सूर्य	12/03/2076	चंद्र	09/04/2087	मंगल	04/06/2102	राहु	10/03/2110	गुरु	31/08/2119
चंद्र	11/10/2076	मंगल	08/06/2088	राहु	28/04/2103	गुरु	10/07/2111	शनि	09/10/2120
मंगल	09/03/2077	राहु	09/06/2091	गुरु	15/02/2104	शनि	08/02/2113	बुध	06/10/2121
राहु	28/03/2078	गुरु	07/02/2094	शनि	27/01/2105	बुध	10/07/2114	केतु	04/03/2122
गुरु	04/03/2079	शनि	09/04/2097	बुध	03/12/2105	केतु	08/02/2115	शुक्र	05/11/2122
शनि	11/04/2080	बुध	08/02/2100	केतु	10/04/2106	शुक्र	09/10/2116		00/00/0000
बुध	09/04/2081	केतु	10/04/2101	शुक्र	10/04/2107	सूर्य	10/04/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 5 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।